dextimus, gr. comp. 293. – et gr. ἀριστερός huc pertinent, ita ut *sinis-* ortum sit e *sivis-* et ἀριστερός e σαϝιστερός, cum semivocales vel liquidae facile inter se mutentur, v. gr. comp. 20.) (*)

सव्यसाचिन् *m.* (e praec. et साचिन् a r. सच् sequi s. इन्) cognomen *Ardschuni.*

सव्येतर (e सव्य laevus et इतर alius) dexter. Ragh. 12. 90.

सश्च् *in dial. Vêd. i. q.* सच् *i. e.* sequi; favere. *Vid.* Westerg.

सस् 2. *P.* (स्वप्ने) dormire. Rigv. 29. 4.: ससन्तु «dormiunto»; 29. 3.: सस्ताम् «dormiunto» (dual.); 53. 1.: ससताम् «dormientium»; 103. 7.: ससन्तम् «dormientem». *Cf.* 2. शस्, संस्त्, शंस्त्.

सस्य *n.* (ut videtur, pro शस्य) granum, fructus. N. 24. 52.

सह् 1. *P. A.* सहामि, सहे (etiam cl. 4. et 10. *P.* सह्यामि, साहयामि) *fut. part.* सहिता et सोढा, *part. pass.* सोढ, *infin.* सहितुम् et सोढुम् (v. gr. min. ed. 2. §. 102.) 1) sustinere, perferre, tolerare. Sa. 3. 9.: कथम् … आश्रमे सहिष्यते क्लेशम् इमम्; R. Schl. I. 43. 25.: गङ्गायाः पतनम् पृथिवी न सहिष्यते; Mah. 3. 15371.: दुःखम् उत्तमं सेहिरे; 15376.: सेहुर् दुःखम्; H. 2. 36.: न हि मे राक्षसा भीरु सोढुं शक्ताः पराक्रमम्; 3. 8. — वाष्पं सोढुम् lacrymas retinere. R. Schl. II. 40. 27. 2) patientem esse, quiescere, exspectare, *sich gedulden.* Ragh. 5. 25.: द्वित्राण्य् अहान्य् (schol. द्वे त्रीणि वा दिनानि) अर्हसि सोढुम् (schol. क्षन्तुम्). 3) ignoscere, condonare. Sak. 56. 1.: अपराधम् इमन् ततः सहिष्ये. 4) indulgere, favere, propitium esse, *c. dat. vel gen.* Bh. 11. 44.: पिते 'व पुत्रस्य सखे 'व सख्युः प्रियः प्रियाया 'र्हसि देव सोढुम्. 5) posse. Mah. 3. 8812.: न सेहिरे … वेगन् तदा धारयितुम्; Hit. 71. 21.: चिरन् न सहते स्थातुम्. *Vid.* praef. उत्. (Cf. सुह्, gr. σχή-σω, ἔσχη-κα, ἔσχημαι, ἔσχον, σχέ-σις, σχετός, σχή-μα, ἴσχω, ἰσχάνω; v. gr. comp. 483. not. 3.; de ἔχω, ὄχος v. वह्. Ἄχος, ἄχομαι, ἄχνυμι, ἀχέω, ἄχθος, ἄχθομαι tam e सह् quam e वह् abjectâ litterâ initiali explicari possunt. Ag. Benary huc trahit lat. *sag-ax, sâgus, sâgio,* l. c. p. 117. 235.

c. अभि vim inferre, अभिषह्य vim inferendo, cum vi, violenter. Man. 8. 367. *Vid.* प्र.

c. उत् posse. N. 6. 14.: संहर्तुन् नो 'त्सहे कोपम्; Br. 1. 32. 33. — *Cum dat. nominis abstr. loco infin.* Mah. 3. 16543.: त्वाम् अहम् मैथिलि नो 'त्सहे परिभोगाय श्वावलीढं हविर् यथा.

c. उत् praef. अभि *id.* Ragh. 5. 22.

c. उत् praef. प्र *Caus.* incitare, excitare, instigare. R. Schl. II. 9. 46.: तथा प्रोत्साहिता देवी; 21. 12.: प्रोत्साहितो ऽयङ् कैकेय्या.

c. उत् praef. सम् *Caus. id.* Mah. 2. 1412.

c. प्र 1) sustinere. R. Schl. II. 51. 7. 10. 2) posse. Mah. 1. 4842. 3) vim inferre, प्रसह्य vim inferendo, cum vi, violenter. Dr. 6. 8.: पापैः कृतो ऽभिमर्दः कुरुभिः प्रसह्य; Man. 7. 108. 8. 235.

c. प्रति sustinere. R. Schl. I. 37. 8.

c. वि sustinere. Ragh. 4. 49.: प्रतापन् न विषेहिरे. *C. infin. cum acc.* R. Schl. II. 12. 106.: न जीवितुन् त्वां विषहे ऽमनोरमाम्. — विषह्य 1) sustinendus. A. 10. 75. 2) possibilis. A. 5. 9.: विषह्यं यन् मया कर्तुङ् कृतम् एव निबोध तत्.

1. सह *Adj.* (r. सह् s. अ) sustinens, perferens, *in fine comp.*

2. सह *Praep.* (ut mihi videtur, a stirpe pronom. स suff. ह e ध, sicut इह q. v. ab इ) cum, *c. instr.* In. 1. 23. *In dial. Vêd.* सध (*vid.* gr. comp. 420.).

सहज (e सह cum et ज natus) ingenitus, innatus, ingeneratus. In. 4. 7. N. 17. 5. Bh. 18. 48.

सहजन्या *f.* (*Bah.* e सह cum et जन्य vel जन्या q. v.) nomen *Apsarasis.* In. 2. 30.

सहदेव *m.* (*Bah.* e सह cum et देव deus) *Sahadêvus,* unus quinque *Pândavorum.*

(*) De cognatis formis in linguis Malayicis v. librum meum *Über die Verwandtschaft der malayisch-polynesischen Sprachen mit den indisch-europäischen* p. 86. et 148.